भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर में पैनआईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी (पीआईडब्ल्यूओटी) सैटेलाइट सम्मेलन

विशेषज्ञों के विविध समूह ने उद्योग-अकादमिक सहयोग पर चर्चा की

भुवनेश्वर, 23 जनवरी 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) भुवनेश्वर ने 23 जनवरी 2025 को पैन आईआईटी वर्ल्ड ऑफ टेक्नोलॉजी (पीआईडब्ल्यूओटी) सैटेलाइट सम्मेलन का आयोजन किया। उद्योग, शिक्षा जगत और सरकारी क्षेत्र के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना। सम्मेलन का आयोजन आईआईटी पूर्व छात्र संघ, व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन इंडिया और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था।

उद्घाटन सत्र में, व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन इंडिया की अध्यक्ष सुश्री सुजाता रॉय ने स्वागत भाषण दिया और PIWOT सैटेलाइट सम्मेलन के महत्व और उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में, आईआईटी भुवनेश्वर के निदेशक प्रोफेसर श्रीपाद कर्मलकर ने शिक्षा और अनुसंधान से परे आईआईटी के परिवर्तन पर प्रकाश डाला। “आईआईटी अब अनुसंधान और नवाचार के साथ-साथ उद्यमिता पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। दूसरा बदलाव यह है कि आईआईटी अब बहु-विषयक परियोजनाओं और परामर्श पर जोर देकर सीधे सामाजिक समस्याओं को हल करने को महत्व दे रहे हैं। तीसरा परिवर्तन एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) के माध्यम से उत्कृष्ट स्कूली शिक्षकों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने उल्लेख किया कि आईआईटी भुवनेश्वर समाज के समग्र विकास के लिए 'ज्ञान प्रसार, ज्ञान सृजन, ज्ञान अनुप्रयोग, धन सृजन, शिक्षक शिक्षा और मानसिक कल्याण' पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने 'संकाय पोर्टफोलियो' और 'शिक्षण पोर्टफोलियो' के कार्यान्वयन के माध्यम से शिक्षण-सीखने के परिणामों को प्रतिबिंबित करने के लिए आईआईटी भुवनेश्वर की अनूठी विशेषताओं के बारे में भी जानकारी दी।

इस अवसर पर बोलते हुए, प्रोफेसर ब्रह्मा देव, एमजीएम चेयर प्रोफेसर, आईआईटी भुवनेश्वर ने उद्योग-अकादमिक सहयोग के मुद्दों और चिंताओं पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस क्षेत्र में मौजूदा अंतर को पाटने के लिए प्रत्येक आईआईटी में एक उद्योग-अकादमिक संपर्क सेल होना चाहिए।

अपने संबोधन में, सीएसआर और एए उप समिति के सह-अध्यक्ष और जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड के अध्यक्ष और समूह सीएसआर डॉ. प्रशांत कुमार होता ने स्थिरता के क्षेत्र में उद्योग-अकादमिक सहयोग के पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने स्थिरता प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी और मानव-अनुकूल अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया।

सीआईआई ओडिशा के पूर्व अध्यक्ष श्री एस.एस. मोहंती ने स्टार्ट-अप और नई व्यावसायिक प्रक्रियाओं के उद्भव में आईआईटी की भूमिका पर बात की। उन्होंने देश में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए संरचित तरीके से उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोगात्मक प्रयास के महत्व पर प्रकाश डाला।

श्री संबित त्रिपाठी, पूर्व-आईआरएस और सीएमडी, लाइवलीहुड अल्टरनेटिव्स ने ग्रामीण विकास के साथ उद्योग-अकादमिक सहयोग की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे ओडिशा में किसान अच्छी गुणवत्ता वाली फसलें पैदा करने के लिए एसएचजी और गैर सरकारी संगठनों की मदद से खेती में नई तकनीकों को अपना रहे हैं। उन्होंने इस बारे में भी व्यावहारिक उदाहरण दिए कि कैसे छोटे किसानों को फलों और सब्जियों को तोड़ने, संरक्षित करने और पैकेजिंग करने से संबंधित तकनीकों में प्रशिक्षित किया जा रहा है ताकि उन्हें निर्यात स्तर के उत्पाद बनाया जा सके।

इस अवसर पर व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन इंडिया के उपाध्यक्ष श्री रतन अग्रवाल ने भी बात की।

उद्घाटन सत्र के बाद विभिन्न ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियाँ और बातचीत हुई। संस्थान के प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श के डीन प्रो. दिनाकर पासला ने आईआईटी भुवनेश्वर में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रस्तुति दी। प्रोफेसर सरोज कुमार नायक ने आईआईटी भुवनेश्वर में उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) पर एक प्रस्तुति दी, जो नवाचार और विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम कर रहे हैं।

पूर्ण सत्र के बाद ओडिशा के औद्योगिक विकास और ग्रामीण विकास को मजबूत करना: आईआईटी और व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन इंडिया की महत्वपूर्ण भूमिका पर एक पैनल चर्चा हुई। श्री सुरेशा जी, कार्यकारी निदेशक ओडिशा एसेट ऑपरेशंस, आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील इंडिया लिमिटेड, श्री प्रशांत बिस्वाल, प्रमुख सीएसआर, जेएसडब्ल्यू, श्री प्रदीप कपूर, आईएफएस, पूर्व राजदूत, प्रोफेसर बी के मिश्रा, पूर्व निदेशक, आईआईटी गोवा इस चर्चा में भाग लिया. आईआईटी भुवनेश्वर के रिसर्च एंड एंटरप्रेन्योरशिप पार्क के सीईओ डॉ शुभंकर पति ने सत्र का संचालन किया। प्रो. बी.के. मिश्रा और व्हील्स ग्लोबल फाउंडेशन के उपाध्यक्ष और बोर्ड सदस्य श्री सुरेश शेनॉय ने इनोवेट, इंटीग्रेट और एलिवेट टेक्नोलॉजीज विषय पर बात की।

प्रतिनिधियों ने आईआईटी भुवनेश्वर के तहत स्थापित स्टार्टअप्स और संस्थान की प्रयोगशालाओं की प्रदर्शनियों का भी दौरा किया, जिसमें आईआईटी भुवनेश्वर के अनुसंधान और नवाचार कौशल का प्रदर्शन किया गया था। PIWOT सैटेलाइट सम्मेलन एक समूह बातचीत, एक फीडबैक सत्र और एक पुरस्कार समारोह के साथ समाप्त हुआ जहां तीन सबसे नवीन स्टार्ट-अप को पुरस्कार दिए गए।

प्रोफेसर आशीष विश्वास, पूर्व छात्र मामले और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, आईआईटी भुवनेश्वर के एसोसिएट डीन ने उद्घाटन पूर्ण सत्र की समापन टिप्पणी दी। प्रो. पी.के. साहू, पूर्व छात्र मामले और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, आईआईटी भुवनेश्वर के डीन ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।